

| PARA 5 2ND HALF SURAH NISA AYAH 87 - 147 |                               |            |
|--|-------------------------------|------------|
| Ayah                                     | Word                          | ROOT WORDS |
| AYAT 87                                  | لَيَجْعَلُنَّكُمْ             | ج م ع      |
|  | الْقِيَامَةِ                  | ق و م      |
|  | أَصْدِقُ                      | ص د ق      |
|  | حَدِيبَاتٍ                    | ح د ث      |
|  | الْمُسَاافِقِينَ              | ن ف ق      |
| AYAT 88                                  | فِتَّيْنِ                     | ف أ ي      |
|  | أَرْكَسْتُهُمْ                | ر ك س      |
|  | كَسَّوَا                      | ك س ب      |
|  | أَتَرِيدُونَ                  | ر و د      |
|  | تَهْدُوا                      | ه د ي      |
|  | أَضَلَّ // يُضْلِلُ           | ض ل ل      |
|  | تَجِدَ                        | و ج د      |
|  | سَبِيلًا                      | س ب ل      |
| AYAT 89                                  | وَدُوا                        | و د د      |
|  | فَنَحْنُ نُونَ                | ك و ن      |
|  | سَوَاءٌ                       | س و ي      |
|  | تَشْخِذُوا                    | أ خ ذ      |
|  | أَوْلِيَاءِ // تَوَأْلُوا     | و ل ي      |
|  | يُهَاجِرُوا                   | ه ج ر      |
|  | فَخَدُوهُمْ                   | أ خ ذ      |
|  | اَفْشَلُوهُمْ                 | ق ت ل      |
|  | وَجَدْتُمُوهُمْ               | و ج د      |
|  | تَشْخِذُوا                    | أ خ ذ      |
|  | وَلِيَا                       | و ل ي      |
|  | نَصِيرًا                      | ن ص ر      |
| AYAT 90                                  | يَصِلُونَ                     | و ص ل      |
|  | مِيشَانٌ                      | و ث ق      |
|  | جَاءُوكُمْ                    | ج ي أ      |
|  | حَصَرْتُ                      | ح ص ر      |
|  | صُدُورُهُمْ                   | ص د ر      |
|  | يُقَاتِلُوكُمْ // يُقَاتِلُوا | ق ت ل      |
|  | فَوْمَهُمْ                    | ق و م      |

|         |                         |       |
|---------|-------------------------|-------|
|         | لَسَلْطَهُمْ            | س ل ط |
|         | اَعْنَزْلُوكُمْ         | ع ز ل |
|         | اَلْقَوَا               | ل ق ي |
|         | السَّلَمَ               | س ل م |
|         | سِيَّلًا                | س ب ل |
| AYAT 91 | سَتَجِدُونَ             | و ج د |
|         | آخَرِينَ                | أ خ ر |
|         | يُرِيدُونَ              | ر و د |
|         | يَأْمُنُوكُمْ           | أ م ن |
|         | رُدُوا                  | ر د د |
|         | الْفِتْنَةِ             | ف ت ن |
|         | أَرْكَسُوا              | ر ك س |
|         | يَعْتَرُوكُمْ           | ع ز ل |
|         | يُلْقُوا                | ل ق ي |
|         | وَيَكُفُوا              | ك ف ف |
|         | أَيْدِيهِمْ             | ي د ي |
|         | فَحَذُوهُمْ             | أ خ ذ |
|         | تَقْفِصُوهُمْ           | ث ق ف |
|         | سُلْطَانًا              | س ل ط |
|         | مُبِينًا                | ب ي ن |
| AYAT 92 | لِمُؤْمِنٍ // مُؤْمِنًا | أ م ن |
|         | يَقْنَلَ                | ق ت ل |
|         | خَطَا                   | خ ط أ |
|         | فَسْحَرِرُ              | ح ر ر |
|         | رَقَبَةٌ                | ر ق ب |
|         | وَدِيَةٌ                | و د ي |
|         | مُسَلَّمَةٌ             | س ل م |
|         | أَهْلَهُ                | أ ه ل |
|         | يَصَدَّقُوا             | ص د ق |
|         | عَدُوٌّ                 | ع د و |
|         | فَدِيَةٌ                | و د ي |
|         | مُسَلَّمَةٌ             | س ل م |
|         | يَجِدُ                  | و ج د |

|         |                        |       |
|---------|------------------------|-------|
|         | <b>فَصِيَامُ</b>       | ص و م |
|         | <b>شَهْرُنِ</b>        | ش ه ر |
|         | <b>مُسَائِعُنِ</b>     | ت ب ع |
|         | <b>تَوْبَةً</b>        | ت و ب |
|         | <b>عَلِيمًا</b>        | ع ل م |
|         | <b>حَكِيمًا</b>        | ح ك م |
| AYAT 93 | <b>مُتَعَمِّدًا</b>    | ع م د |
|         | <b>فَجَزَاؤُهُ</b>     | ج ز ي |
|         | <b>خَالِدًا</b>        | خ ل د |
|         | <b>غَضِيبٌ</b>         | غ ض ب |
|         | <b>وَلَعْنَةُ</b>      | ل ع ن |
|         | <b>وَأَعْدَدُ</b>      | ع د د |
|         | <b>عَظِيمًا</b>        | ع ظ م |
| AYAT 94 | <b>ضَرِّيتُمْ</b>      | ض ر ب |
|         | <b>فَسَبَّيُوا</b>     | ب ي ن |
|         | <b>الْأَقْلَى</b>      | ل ق ي |
|         | <b>السَّلَامُ</b>      | س ل م |
|         | <b>لَسْتَ</b>          | ل ي س |
|         | <b>تَبَغْفُونَ</b>     | ب غ ي |
|         | <b>عَرَضَ</b>          | ع ر ض |
|         | <b>الْحَيَاةُ</b>      | ح ي ي |
|         | <b>الدُّنْيَا</b>      | د ن و |
|         | <b>مَعَانِمُ</b>       | غ ن م |
|         | <b>كَثِيرَةٌ</b>       | ك ث ر |
|         | <b>فَمَنْ</b>          | م ن ن |
|         | <b>تَعْمَلُونَ</b>     | ع م ل |
| AYAT 95 | <b>يَسْتَوِي</b>       | س و ي |
|         | <b>الْقَاعِدُونَ</b>   | ق ع د |
|         | <b>الْمُؤْمِنِينَ</b>  | أ م ن |
|         | <b>الصَّرَّ</b>        | ض ر ر |
|         | <b>الْمُجَاهِدُونَ</b> | ج ه د |
|         | <b>بِأَمْوَالِهِمْ</b> | م و ل |
|         | <b>أَنْفُسِهِمْ</b>    | ن ف س |

|          |                      |        |
|----------|----------------------|--------|
|          | دَرْجَةً             | درج    |
|          | كُلًا                | كل ل ل |
|          | وَعْدَة              | وع د   |
|          | الْحُسْنَى           | حس ن   |
| AYAT 96  | مَغْفِرَةً//غَفُورًا | غ ف ر  |
|          | رَحِيمًا             | رح م   |
| AYAT 97  | تَوْفَاهُمْ          | وف ي   |
|          | الْمَلَائِكَةُ       | م ل ك  |
|          | ظَالِّي              | ظل م   |
|          | كُنْشَمْ             | ك و ن  |
|          | مُسْتَضْعِفِينَ      | ضع ف   |
|          | وَاسِعَةً            | وس ع   |
|          | فَهَا جَرَوا         | هج ر   |
|          | مَأْوَاهُمْ          | أوي    |
|          | سَاءَتْ              | س و أ  |
|          | مَصِيرًا             | ص ي ر  |
| AYAT 98  | الرَّجَالِ           | رج ل   |
|          | السَّاءِ             | ن س و  |
|          | وَالْوُلْدَانِ       | ول د   |
|          | يَسْتَطِيعُونَ       | ط و ع  |
|          | جِيلَةً              | ح ول   |
|          | يَهْتَدُونَ          | هد ي   |
|          | سَبِيلًا             | سب ل   |
| AYAT 99  | عَسَى                | ع س ي  |
|          | يَغْفُو              | ع ف و  |
|          | غَفُورًا             | غ ف ر  |
| AYAT 100 | يَجِدُ               | وج د   |
|          | الْأَرْضَ            | أرض    |
|          | مُرَاخَمًا           | رغ م   |
|          | وَسَعَةً             | وس ع   |
|          | يَهْرُجُ             | خر ج   |
|          | بَيْتِهِ             | ب ي ت  |
|          | يُدْرِكُهُ           | در ك   |

|          |                           |       |
|----------|---------------------------|-------|
|          | أَجْرَهُ                  | أ ج ر |
|          | وَكَانَ                   | ك و ن |
| AYAT 101 | صَرَّثْتُمْ               | ض رب  |
|          | جَنَاحٌ                   | ج ن ح |
|          | تَفْصِّرُوا               | ق ص ر |
|          | الصَّلَاةِ                | ص ل و |
|          | خَفْثُمْ                  | خ و ف |
|          | يَفْسِّرُكُمْ             | ف ت ن |
|          | كَفَرُوا // الْكَافِرِينَ | ك ف ر |
|          | عَدُواً                   | ع د و |
|          | مُهِبِّنَا                | ب ي ن |
| AYAT 102 | فَأَقْمَتْ // فَأَنْتُمْ  | ق و م |
|          | طَائِفَةٌ                 | ط و ف |
|          | فَأَقْمَتْ // فَأَنْتُمْ  | ق و م |
|          | وَلْيَأْخُذُوا            | أ خ ذ |
|          | أَسْلِحَتَهُمْ            | س ل ح |
|          | سَجَدُوا                  | س ج د |
|          | أُخْرَىٰ                  | أ خ ر |
|          | بُصَّلُوا                 | ص ل و |
|          | حِلْرَهُمْ                | ح ذ ر |
|          | وَدًّا                    | و د د |
|          | تَغْفِلُونَ               | غ ف ل |
|          | أَمْتَعِيْكُمْ            | م ت ع |
|          | فَيَمِيلُونَ // مِيلَةً   | م ي ل |
|          | أَذْىٰ                    | أ ذ ي |
|          | مَطْرٍ                    | م ط ر |
|          | مَرْضَىٰ                  | م ر ض |
|          | تَصَفُّوا                 | و ض ع |
|          | أَعْدَّ                   | ع د د |
|          | مُهِبِّنَا                | ه و ن |
| AYAT 103 | فَصَبَّيْتُمْ             | ق ض ي |
|          | فَادْكُرُوا               | ذ ك ر |
|          | قِيَامًا                  | ق و م |

|          |                |       |
|----------|----------------|-------|
|          | قُعُودًا       | ق ع د |
|          | جُنُورُكُمْ    | ج ن ب |
|          | اطْمَانَتْهُ   | ط م ن |
|          | فَاقِيمُوا     | ق و م |
|          | مُؤْفَوْتَا    | و ق ت |
| AYAT 104 | تَهْنُوا       | و ه ن |
|          | ابْتَغَاءٍ     | ب غ ي |
|          | تَأْمُونَ      | أ ل م |
|          | تَرْجُونَ      | ر ج و |
| AYAT 105 | أَنْزَلْنَا    | ن ز ل |
|          | بِالْحَقِّ     | ح ق ق |
|          | لِسْحَكْمَ     | ح ك م |
|          | أَرْأَكَ       | ر أ ي |
|          | لِلْخَائِنِينَ | خ و ن |
|          | خَصِيمًا       | خ ص م |
|          | وَاسْتَغْفِرُ  | غ ف ر |
| AYAT 107 | تُجَادِلُ      | ج د ل |
|          | يَخْتَارُونَ   | خ و ن |
|          | يُحِبُّ        | ح ب ب |
|          | خَوَانِيًّا    | خ و ن |
|          | أَثِيمًا       | أ ث م |
|          | يَسْتَخْفُونَ  | خ ف ي |
|          | يُبَيِّنُونَ   | ب ي ت |
|          | بِرْضَى        | ر ض و |
|          | مُحِيطًا       | ح و ط |
|          | جَادَلْتُمْ    | ج د ل |
|          | الْقِيَامَةُ   | ق و م |
|          | وَكِيلًا       | و ك ل |
| AYAT 110 | يَعْمَلُ       | ع م ل |
|          | سُوءً          | س و أ |
|          | يَجِدُ         | و ج د |
| AYAT 111 | يَكْسِبُ       | ك س ب |
| AYAT 112 | خَطِيَّةً      | خ ط أ |

|          |             |       |
|----------|-------------|-------|
|          | يَرْمُ      | رم ي  |
|          | بَرِّيَّا   | ب رأ  |
|          | اَحْسَنَلَ  | ح م ل |
| AYAT 113 | لَهَمَتْ    | ه م م |
|          | يُضْلُوكَ   | ض ل ل |
|          | يَصْرُونَكَ | ض ر ر |
|          | الْحِكْمَةَ | ح ك م |
|          | عَلَمَكَ    | ع ل م |
|          | عَظِيمًا    | ع ظ م |
|          | خَيْرَ      | خ ي ر |
|          | نَجْوَاهُمْ | ن ج و |
|          | بِصَدَقَةٍ  | ص د ق |
|          | مَعْرُوفِ   | ع ر ف |
|          | إِصْلَاحٍ   | ص ل ح |
|          | النَّاسِ    | ن و س |
|          | يَفْعَلُ    | ف ع ل |
|          | ابْتِغَاءً  | ب غ ي |
|          | مَرْضَاتِ   | ر ض و |
|          | نُوتِيهِ    | أ ت ي |
| AYAT 115 | يُشَاقِّ    | ش ق ق |
|          | الرَّسُولَ  | ر س ل |
|          | تَبَيَّنَ   | ب ي ن |
|          | الْهَدَى    | ه د ي |
|          | يَسِّعُ     | ت ب ع |
|          | نُولُهِ     | و ل ي |
|          | نُصْلِهِ    | ص ل ي |
|          | مَصِيرًا    | ص ي ر |
| AYAT 116 | يُسْرِكَ    | ش ر ك |
|          | يَشَاءُ     | ش ي أ |
|          | صَلَالَا    | ض ل ل |
|          | بَعِيدًا    | ب ع د |
| AYAT 117 | يَدْعُونَ   | د ع و |
|          | إِنَّا      | أ ن ث |

|          |                     |       |
|----------|---------------------|-------|
|          | شِيَطَانًا          | ش ط ن |
|          | مَرِيدًا            | م ر د |
| AYAT 118 | لَعْنَةً            | ل ع ن |
|          | لَا تَتَحَدَّنَ     | أ خ ذ |
|          | عِبَادِكَ           | ع ب د |
|          | نَصِيبًا            | ن ص ب |
|          | مُفْرُوضًا          | ف ر ض |
| AYAT 119 | وَلَا أَصِلَّنَهُمْ | ض ل ل |
|          | وَلَا مُنْسِبَهُمْ  | م ن ي |
|          | وَلَا مَرْنَهُمْ    | أ م ر |
|          | فَلَيَسْتَكِنْ      | ب ت ك |
|          | آذَانَ              | أ ذ ن |
|          | الْأَنْعَامُ        | ن ع م |
|          | فَلَيَعْيَرُونَ     | غ ي ر |
|          | وَلَيَأْلِيَ        | و ل ي |
|          | خُسْرَانًا          | خ س ر |
| AYAT 120 | يَعْدُهُمْ          | و ع د |
|          | غُرُورًا            | غ ر ر |
| AYAT 121 | مَا وَاهَمْ         | أ و ي |
|          | يَجِدُونَ           | و ج د |
|          | مَحِيصًا            | ح ي ص |
| AYAT 122 | سَنْدِخْلُهُمْ      | د خ ل |
|          | جَنَّاتٍ            | ج ن ن |
|          | تَجْرِي             | ج ر ي |
|          | تَخْتَهَا           | ت ح ت |
|          | الْأَنْهَارُ        | ن ه ر |
|          | أَبْدًا             | أ ب د |
|          | حَقًا               | ح ق ق |
|          | قِيلًا              | ق و ل |
| AYAT 123 | بِأَمَانِكُمْ       | م ن ي |
|          | سُوءًا              | س و أ |
|          | يُجْزَ              | ج ز ي |
|          | يَجِدُ              | و ج د |

|          |                           |       |
|----------|---------------------------|-------|
|          | <b>نَصِيرًا</b>           | ن ص ر |
| AYAT 124 | <b>أُنْثى</b>             | أ ن ث |
|          | <b>يَدْخُلُونَ</b>        | د خ ل |
|          | <b>نَقِيرًا</b>           | ن ق ر |
| AYAT 125 | <b>أَحْسَنُ</b>           | ح س ن |
|          | <b>دِينًا</b>             | د ي ن |
|          | <b>وَجْهَهُ</b>           | و ج ه |
|          | <b>وَاتَّبَعَ</b>         | ت ب ع |
|          | <b>مِلَّةً</b>            | م ل ل |
|          | <b>حَبِيبًا</b>           | ح ن ف |
|          | <b>وَاتَّخَدَ</b>         | أ خ ذ |
|          | <b>خَلِيلًا</b>           | خ ل ل |
| AYAT 126 | <b>مُجِطًا</b>            | ح و ط |
| AYAT 127 | <b>يَسْتَفْتُونَكَ</b>    | ف ت ي |
|          | <b>السَّاء</b>            | ن س و |
|          | <b>يَشَائِي</b>           | ت ل و |
|          | <b>يَنَامِي</b>           | ي ت م |
|          | <b>ثُؤُلُوَّهُنَّ</b>     | أ ت ي |
|          | <b>تَرْغَبُونَ</b>        | ر غ ب |
|          | <b>تَنْكِحُوهُنَّ</b>     | ن ك ح |
|          | <b>الْمُسْتَضْعَفِينَ</b> | ض ع ف |
|          | <b>الْوِلْدَانَ</b>       | و ل د |
|          | <b>إِلْقِسْطِ</b>         | ق س ط |
|          | <b>تَغْلَلُوا</b>         | ف ع ل |
|          | <b>عَلِيمًا</b>           | ع ل م |
| AYAT 128 | <b>إِنْرَأَةٌ</b>         | م ر أ |
|          | <b>خَافَتْ</b>            | خ و ف |
|          | <b>بَعْلَهَا</b>          | ب ع ل |
|          | <b>نُشُورًا</b>           | ن ش ز |
|          | <b>إِعْرَاضًا</b>         | ع ر ض |
|          | <b>الصُّلُحُ</b>          | ص ل ح |
|          | <b>أَحْضِرَتِ</b>         | ح ض ر |
|          | <b>الشُّعَّ</b>           | ش ح ح |

|          |                             |       |
|----------|-----------------------------|-------|
|          | <b>تُحِسِّنُوا</b>          | ح س ن |
|          | <b>تَعْفُوا</b>             | و ق ي |
|          | <b>خَيْرًا</b>              | خ ب ر |
| AYAT 129 | <b>تَسْتَطِيعُوا</b>        | ط و ع |
|          | <b>تَعْدِلُوا</b>           | ع د ل |
|          | <b>حَرَصُمْ</b>             | ح ر ص |
|          | <b>تَمِيلُوا</b>            | م ي ل |
|          | <b>فَتَأْرُوهَا</b>         | و ذ ر |
|          | <b>كَالْمُعْلَقَةِ</b>      | ع ل ق |
| AYAT 130 | <b>يَسْفَرُوا</b>           | ف ر ق |
|          | <b>يُغْنِ</b>               | غ ن ي |
|          | <b>سَعَتِهِ // وَاسِعًا</b> | و س ع |
| AYAT 131 | <b>وَصِيَّا</b>             | و ص ي |
|          | <b>أُوتُوا</b>              | أ ت ي |
|          | <b>فَيْلَكُمْ</b>           | ق ب ل |
|          | <b>تَكْفُرُوا</b>           | ك ف ر |
|          | <b>غَنِيًّا</b>             | غ ن ي |
|          | <b>حَمِيدًا</b>             | ح م د |
| AYAT 132 | <b>وَكَفَى</b>              | ك ف ي |
|          | <b>وَكِيلًا</b>             | و ك ل |
| AYAT 133 | <b>يَشَأُ</b>               | ش ي أ |
|          | <b>يُذْهِبُكُمْ</b>         | ذ ه ب |
|          | <b>وَيَأْتِ</b>             | أ ت ي |
|          | <b>إِلَّا خَرِينَ</b>       | أ خ ر |
|          | <b>قَدِيرًا</b>             | ق د ر |
| AYAT 134 | <b>يُرِيدُونَ</b>           | ر و د |
|          | <b>ثَوَابَ</b>              | ث و ب |
|          | <b>الدُّنْيَا</b>           | د ن و |
|          | <b>سَمِيعًا</b>             | س م ع |
| AYAT 135 | <b>قَوَامِينَ</b>           | ق و م |
|          | <b>شَهِدَاء</b>             | ش ه د |
|          | <b>أَنفُسِكُمْ</b>          | ن ف س |
|          | <b>وَالْأَقْرَبِينَ</b>     | ق ر ب |

|          |                        |       |
|----------|------------------------|-------|
|          | <b>فَقِيرًا</b>        | ف ق ر |
|          | <b>أُولَئِي</b>        | و ل ي |
|          | <b>الْهَوَى</b>        | ه و ي |
|          | <b>تَلْهُوا</b>        | ل و ي |
|          | <b>تُعْرِضُوا</b>      | ع ر ض |
| AYAT 136 | <b>ضَلَالًا</b>        | ض ل ل |
|          | <b>بَعِيدًا</b>        | ب ع د |
| AYAT 137 | <b>إِزْدَادُوا</b>     | ز ي د |
|          | <b>لِغَفْرَةٍ</b>      | غ ف ر |
|          | <b>لِيَهْدِيَّهُمْ</b> | ه د ي |
| AYAT 138 | <b>بَشَّرَ</b>         | ب ش ر |
|          | <b>الْمُنَافِقِينَ</b> | ن ف ق |
|          | <b>أَلِيمًا</b>        | أ ل م |
| AYAT 139 | <b>يَتَحَلَّوْنَ</b>   | أ خ ذ |
|          | <b>أَبْسَطُونَ</b>     | ب غ ي |
|          | <b>عَنْهُمْ</b>        | ع ن د |
|          | <b>الْعِرَّةَ</b>      | ع ز ز |
|          | <b>جَمِيعًا</b>        | ج م ع |
| AYAT 140 | <b>الْكِتَابِ</b>      | ك ت ب |
|          | <b>سَمِّتُمْ</b>       | س م ع |
|          | <b>وَسُسْهَرَاً</b>    | ه ز أ |
|          | <b>تَعْقِلُوا</b>      | ق ع د |
|          | <b>يَخْوِضُوا</b>      | خ و ض |
|          | <b>حَدِيثٍ</b>         | ح د ث |
|          | <b>مِثْلُهُمْ</b>      | م ث ل |
|          | <b>جَامِعٍ</b>         | ج م ع |
|          | <b>الْكَافِرِينَ</b>   | ك ف ر |
| AYAT 141 | <b>يَسْرَّصُونَ</b>    | ر ب ص |
|          | <b>فَتْحٌ</b>          | ف ت ح |
|          | <b>نَسْحَوْذٌ</b>      | ح و ذ |
|          | <b>نَسْعَكُمْ</b>      | م ن ع |
|          | <b>يَحْكُمُ</b>        | ح ك م |
|          | <b>بَيْنَكُمْ</b>      | ب ي ن |

|          |                             |         |
|----------|-----------------------------|---------|
|          | يَجْعَلُ                    | ج ع ل   |
|          | الْمُؤْمِنَ                 | أ م ن   |
| AYAT 142 | يُخَادِعُونَ // خَادِعُهُمْ | خ د ع   |
|          | قَامُوا                     | ق و م   |
|          | كُسَالَىٰ                   | ك س ل   |
|          | يُرَاءُونَ                  | ر أ ي   |
|          | يَدْكُرُونَ                 | ذ ك ر   |
|          | قَلِيلًاٰ                   | ق ل ل   |
| AYAT 143 | مُذَنَّبِينَ                | ذ ب ذ ب |
| AYAT 144 | أَتَرِيدُونَ                | ر و د   |
|          | تَجْعَلُوا                  | ج ع ل   |
|          | سُلْطَانًاٰ                 | س ل ط   |
| AYAT 145 | الَّذِيْكَ                  | د ر ك   |
|          | الْأَسْفَلِ                 | س ف ل   |
|          | النَّارِ                    | ن و ر   |
|          | نَصِيرًاٰ                   | ن ص ر   |
| AYAT 146 | تَابُوا                     | ت و ب   |
|          | اَغْتَصَمُوا                | ع ص م   |
|          | أَخْلَصُوا                  | خ ل ص   |
|          | عَظِيمًاٰ                   | ع ظ م   |
| AYAT 147 | يَعْذَابُكُمْ               | ع ذ ب   |
|          | شَكَرُّهُمْ // شَاكِرًاٰ    | ش ك ر   |
|          | عَلِيهِمَا                  | ع ل م   |